प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को-

प्रश्न-

किसी भी साहसपूर्ण कार्य को बहादुरी से करना वीरता कहलाती है। सोचिए और लिखिए कि आपके आस-पास घटने वाली वे कौन-कौन सी स्थितियाँ हो सकती हैं जिनमें आप बहादुरी का परिचय दे सकते हैं।

उत्तर-

भयंकर आग लगने पर साथियों के साथ बाल्टियों में पानी लेकर आग बुझाने की कोशिश करेंगे, जले हुए लोगों को प्राथमिक चिकित्सा दिलाएँगे। बाढ़ की स्थिति में तैरकर लोगों की जीवन रक्षा करने की कोशिश करेंगे।

विचार और कल्पना

प्रश्न 1.

वीर पुरुष की तुलना बरसने वाले बादलों से और कायर पुरुष की तुलना गरजने वाले बादल से क्यों की गई है?

उत्तर-

क्योंकि वीर पुरुष बरसने वाले बादल होते हैं जो मूसलाधार वर्षा करते हैं अर्थात सभी का कल्याण करते हैं और कायर पुरुष करते कुछ नहीं सिर्फ भाषण देते हैं अर्थात गरजते हैं।

प्रश्न 2.

'सच्चा वीर' बनने के लिए आप अपने भीतर किन गुणों को विकसित करेंगे?

उत्तर-

'सच्चा वीर' बनने के लिए धैर्य, गम्भीरता, स्वतन्त्रता, उच्च मनोबल, पवित्रता और सबके प्रति प्रेम-भावना आदि गुणों को विकसित करेंगे।

प्रश्न 3.

'वीरों को बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते'-आप इस बात से सहमत हैं या असहमत कारण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर-

वीरों को बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते-मैं इस बात से पूर्ण सहमत हूँ। क्योंकि वीरता एक स्वाभाविक गुण है, यह मनुष्य में अपने-आप होती है। किसी को प्रशिक्षण देकर वीर नहीं बनाया जा सकता, वीरता के गुण किसी में भरे नहीं जा सकते, वे उनमें मौजूद होते हैं।

निबन्ध से-

प्रश्न 1.

किसने क्या कहा? कोष्ठक में दिये गये नामों से चुनकर वाक्य के सामने लिखिए (लिखकर)-

(महाराजा रणजीत सिंह, मंसूर, नेपोलियन, बादशाह)

उत्तर-

(क) "अनलहक' (अहं ब्रह्मास्मि)। – मंसूर

(ख) मैं तुमको अभी जान से मार डालूंगा। – बादशाह

(ग) अटक के पार जाओ। – महाराजा रणजीत सिंह

(घ) "आल्प्स है ही नहीं। – नेपोलियन

surajclasses.com